ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९१
दिनांक- मंगलवार, ०६ दिसम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.4 एवं 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 55 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 14.5 एवं दोपहर में 23.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 दिसम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 दिसम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले दो–तीन तीनों तक आसमान साफ तथा उसके बाद आसमान में हल्के बादल छा सकते हैं हालांकि मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 4–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल जैसे मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च में फल छेदक कीट का प्रक्रोप दिखने पर स्पिनोसेड 48 ई0सी0/ 1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी या क्वीनलफॉस 25 ई0सी0 दवा का 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए एच0डी0 2733, एच0यू0डब्लू0 468, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 39, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकवाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- गन्ना की रोपाई के लिए स्वस्थ बीज का चयन करें। इसके लिए बी0ओ0–146 , को0पु0 –2061, को0पु0 –09437 , राजेंद्र गन्ना–1, बी0ओ–91, बी0ओ–153 एवं बी0ओ0–154 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित हैं। कार्वेन्डाजिम दवा के 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर गन्ना के गेड़ियों को 10–15 मिनट तक उपचारित कर रोपाई करें। दीमक, कल्ला एवं जड़ छिद्रक कीट से बचाव हेतु बीज को क्लोरपाईरिफॉस 20 ई0सी0 का 5 लीटर प्रति हेक्टेयर रोपनी के समय पोरियों पर सिराउर में छिड़काव करें।
- प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करे। खेत की जुताई में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। जिन किसान का प्याज का पौध 50–55 दिनों का हो गया हो वें छोटी–छोटी क्यारीयाँ बनाकर पॉक्ति से पॉक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई कर सकते है। क्यारीयों का आकार, चौड़ाई 1.5 से 2.0 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–5 मीटर रखे। प्याज की नर्सरी से खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- अगात बोयी गई गेहुँ की फसल जो 21–25 दिनों की हो गई हो, में हल्की सिंचाई करें। सिंचाई के 1–2 दिनों बाद प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- चना की बुआई राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर अतिशीघ्र सम्पन्न करें। पिछेती राई की फसल में निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी 12–15 से0मी0 रखें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें।
- गत माह के लगाये गये आलू की फसल में पौधों की उँचाई 12–15 से0मी0 हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।
- लहसुन की फसल में निकाई–गुराई करें तथा कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से सिंचाई करें। लहसुन की फसल में कीट–व्याधी की निगरानी करें।
- पिछात गोभी वर्गीय सब्जियों में गोभी की तितली/छिद्रक कीट/पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इन कीटों से बचाव हेतु मैलाथियान (50 ई0सी0) का 2 मि0ली0 या डाइमेथोएट(30 ई0सी0) का 1 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर पौधों पर समान रुप से छिड़काव करें।
- हरा चारा के लिए वरसीम का मेस्कावी या वरदान प्रभेद, जई का केन्ट प्रभेद एवं लुसर्न लगायें। दुधारू पशुओं को 250 ग्राम तिलहन खल्ली प्रतिदिन दें। गलघोटू एवं लंगड़ी बिमारी से बचाव के लिए टिका लगवायें।

आज का अधिकतम तापमानः 25.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 11.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)